city भास्कर
INDORE FRIDAY, 28/09/2018

रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री व अमेरिकन केमिकल सोसायटी जैसे जर्नल्स में छपे रिसर्च पेपर्स ने पहुंचाया शीर्ष संस्थानों की फेहरिस्त में दूसरे पायदान पर

पिछले साल तक रैंकिंग के योग्य भी न था, इसी साल दौड़ में शामिल हुआ और आईआईटी बॉम्बे से भी आगे निकला आईआईटी इंदौर

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में आईआईटी बॉम्बे को पीछे छोड़ते हुए देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। महज नौ साल पुराने आईआईटी इंदौर के इस स्थान पर आने में इंस्टिट्यूट में हो रही रिसर्च, पेपर पब्लिकेशन और पेपर साइटेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही फॉरेन इंस्टिट्यूट्स के साथ हुए आईआईटी इंदौर के कोलेबरेशन ने भी संस्थान को बेहतर रैंक दिलवाने में मदद की है। अमेरिका और यूके के बेस्ट जर्नल के साथ ही अन्य जर्नल्स में आईआईटी इंदौर के तीन हजार से ज्यादा रिसर्च पेपर्स पब्लिश हो चुके हैं। आईआईटी इंदौर ने वर्ल्ड रैंकिंग में 351 से 400 के बीच जगह बनाई है।

रेगुलर रिसर्चर्स के साथ रामानुजन और रामलिंगा फेलोज़ भी कर रहे आईआईटी इंदौर में रिसर्च

IIT डायरेक्टर प्रदीप माथुर

आईआईटी इंदौर में रिसर्च के लिए दूसरे संस्थानों के मुकाबले बेहतर सुविधाएं और संसाधन मौजूद हैं। पीएचडी के साथ अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट डॉक्टरल रिसर्चर्स भी रिसर्च कर रहे हैं। अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स आमतौर पर 6 से 8 महीने शोध करते हैं। अन्य संस्थानों में यूजी स्टूडेंट्स को इतना समय नहीं मिलता। इसलिए वे उपयोगी रिसर्च नहीं कर पाते। संस्थान में रामानुजन और रामलिंगा फैलो भी रिसर्च कर रहे हैं। रामानुजन फैलोज़ वो हैं जो विदेशों में पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च कर रहे होते हैं। उन्हें देश में किसी भी इंस्टिट्यूट में रिसर्च करने के साथ अपनी लैब स्थापित करने की छूट होती है। उन्हें रेगुलर रिसर्च ग्रांट भी दी जाती है।

आईआईटी इंदौर कैम्पस

कई मामलों में आईआईटी बॉम्बे से बेहतर है सुविधाएं

आईआईटी बॉम्बे को पीछे छोड़ने के बारे में डायरेक्टर प्रदीप माथुर का कहना है- हमारे पास रिसर्च की बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं लेकिन चूंकि आईआईटी बॉम्बे बड़ा इंस्टिट्यूट है इसलिए वहां स्टूडेंट्स की संख्या भी ज्यादा है। ऐसे में एक रिसर्चर को इक्विपमेंट का उपयोग करने के लिए मिलने वाला समय कम होता है। इसका सीधा असर रिसर्च क्वालिटी पर पड़ता है। आईआईटी इंदौर में स्टूडेंट्स को इंटर डिपार्टमेंटल हेल्प भी मिलती है। किसी एक डिपार्टमेंट का स्टूडेंट दूसरे डिपार्टमेंट से किसी भी तरह की मदद रिसर्च में ले सकता है। ये भी गुणवत्ता सुधारता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस के लिए दिया प्रेज़ेंटेशन

आईआईटी इंदौर ने टाइम्स रैंकिंग में जगह बनाने के साथ भारत सरकार द्वारा घोषित किए जाने वाले इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस के लिए भी दावेदारी जताई है। डायरेक्टर माथुर के मुताबिक सरकार द्वारा अभी देश के तीन संस्थानों को इसके लिए चयनित किया गया है। इस साल घोषित किए जाने वाले संस्थानों के लिए हमने भी प्रेजेंटेशन दिया है। हमें उम्मीद है कि हम इसमें जगह हासिल कर पाएंगे। इसके अलावा आने वाले तीन से पांच सालों में हम वर्ल्ड की टॉप 200 यूनिवर्सिटीज में भी अपनी जगह बनाएंगे।

Dainik Bhaskar, 28th September 2018, City Bhaskar, Page-18